कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

प्रथम वर्ष –राजस्थानी – परीक्षा 2019

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक –200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र–आधुनिक राजस्थानी काव्य

समय–3 घंटे **पूर्णांक–100**

पाठ्यपुस्तकें एंव अध्ययन क्षेत्र

पाठ्यपुस्तकें

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : सं. रावत सारस्वत
   (कवि क्रं.सं. 2, 9, 14, 20, 29, 32, 34, 39, 41, 48, 50 केवल)
2. मानखो (काव्य) : गिरधारी सिंह पड़िहार

विशि।षट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एंव परम्परा से संबंन्धित अध्ययन
2. काव्य शास्त्र : गुण, शब्द– ाक्तियाँ एंव अलंकार
3. शब्द बोध : तत्सम एंव तद्भव शब्द।

प्रश्नपत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग 'अ' : अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए– कोई आन्तरिक विकल्प नहीं

(10 प्रश्नः शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1x10 = 10 *अंक*

भाग 'ब' : दो लघूत्तरात्मक प्रश्न –दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नहीं
(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2x5 = 10 *अंक*

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं (राजस्थान के कवि) आन्तरिक विकल्प सहित
दो व्याख्याएं (मानखो) आन्तरिक विकल्प सहित 4x5 = 20 *अंक*

इकाई 3

राजस्थान के कवि (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित

(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द) 1x15 =15 *अंक*

इकाई 4

'मानखो' काव्य कृति के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द) 1x15 = 15 *अंक*

इकाई 5

भाग 'अ' आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एंव परम्परा (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द सीमा : 200 शब्द सीमा)

1x10 = 10 *अंक*

भाग 'ब' गुणः ओज, प्रसाद, माधुर्य, भाब्द भाक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना अलंकार–यमक, भलेश, रूपक, उपमा, अनुप्रास और वैण सगाई सामान्य परिचय 10 अंक

भाग 'स' तत्सम एंव तद्भव शब्द – (10 शब्द) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) सं. रावत सारस्वत
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), बीकानेर
2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार
   प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, कोरियों का मोहल्ला, बीकानेर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :

1. राजस्थानी साहित्य : डॉ0 मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. राजस्थानी भाशा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ : डॉ0 किरण नाहटा
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
आधुनिक राजस्थानी गद्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

पाठ्यपुस्तकें एंव अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. 'उकरास' (राजस्थानी कहानी संग्रह) : सं. सांवर दइया
   (कहानी क्रं सं. – 1, 3, 6, 10, 14, 15, 21, 22, 24, 25 केवल)
   पूर्व में निर्धारित कहानी 'कीमिया रो बाप' को हटाया गया।
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ0 कल्याण सिंह शेखावत
   (सम्पूर्ण संकलन : पाठ क्रमांक 11, 13, और 16 को छोड़कर)

विशिट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एंव परम्परा
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं सक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं नाटक।
3. भाशा बोध एंव अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी।

प्रश्न पत्र एंव अंक योजना

इकाई 1

भाग 'अ' : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए– कोई आन्तरिक विकल्प नहीं
(10 प्रश्नः शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' : दो लघूत्तरात्मक प्रश्न –दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नहीं
(2 प्रश्न : शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2x5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं (उकरास) आन्तरिक विकल्प सहित
दो व्याख्याएं (राजस्थानी गद्य संकलन) आन्तरिक विकल्प सहित 4x5 = 20 अंक

इकाई 3

उकरास (केवल चयनित कहानियाँ) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द) 1x15 =15 अंक

इकाई 4

राजस्थानी गद्य संकलन के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 400 शब्द) 1x15 = 15 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास : विकास एंव परम्परा (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित अधिकतम शब्द सीमा : 200 शब्द सीमा) 1x10 = 10 अंक

भाग 'ब' आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं – सक्षिप्त परिचयः कहानी, उपन्यास एंव नाटक। एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित (शब्द सीमा : 200 भाब्द) 10 अंक

भाग 'स' अनुवाद–चयनित गद्यांश–हिन्दी से राजस्थानी राजस्थानी से हिन्दी 2x5= 10 अंक

पाठ्य पुस्तकें :

1. 'उकरास' (कहानी संग्रह) : (सम्पादक) सांवर दइया
   प्रकाशक : राजस्थानी भाशी साहित्य एंव संस्कृति अकादमी, बीकानेर (कहानी क्रं.सं.–1, 3, 6, 10, 14, 15, 21, 22, 24, 25, केवल)
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ0 कल्याण सिंह भोखावत
   प्रकाशक : जोधपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, जोधपुर
   अभिप्रस्तावित ग्रंथ– प्रथम प्रश्न के साथ उल्लेखित ग्रंथ इस प्रश्न के लिए भी उपयोगी है।

बी.ए. पार्ट – II परीक्षा – 2019

राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

समय – 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. नागदमण : सांयाजी झूला (सं.) मूलचन्द प्राणेश
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम (सं.) नरोत्तमदास स्वामी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास
   काव्यगत प्रवृत्तियां – भक्ति एवं नीति परक साहित्य – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।
2. विविध काव्यरूपों का परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूतरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नही (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1x10 = 10 अंक

भाग ब : दो लघूतरात्मक प्रश्न – दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नही (2 प्रश्न :शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2x 5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- दोनो पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं ('नागदमण')में से आन्तरिक विकल्प सहित
दो व्यख्याएं (राजिया रा दुहा) में से आन्तरिक विकल्प सहित 4x 5 = 20 अंक

इकाई 3

नागदमण से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

राजिया रा दूहा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न – आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' मध्यकालीन राजस्थानी काव्य : विकास एवं परम्परा, भक्ति एवं नीति साहित्य, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक परिचात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा : 200 शब्द) 1x 10 = 10 अंक

भाग 'ब' विविध काव्य रूप : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य, परिचयात्मक प्रश्न – आन्तरिक विकल्प सहित (शब्द सीमा : 200 शब्द) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. नागदमण : सांयाजी झुला : (सम्पादक) मूलचन्द प्राणेश ।
   प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर ।
2. 'राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी
   प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचदं नाहटा राधाकृष्ण प्रकाशक : दिल्ली ।
2. परंपरा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजथानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
3. काव्य के रूप : डॉ. गुलाबराय
4. समीक्षा सिद्वान्त : डॉ. रामप्रकाश ।

द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

समय – 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्य पुस्तकें

1. राजस्थानी वात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
   (वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी

विशिष्ट अध्ययन

1 मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास 5 विकास एवं परम्परा ।
2 मध्यकालीन गद्य विघाओं का संक्षिप्त परिचय ।
प्रकाशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूतरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नही
(10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1x10 = 10 अंक

भाग ब : दो लघूतरात्मक प्रश्न – दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नही (2 प्रश्न :शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2x 5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- दोनो पाठ्यपुस्तकों पर आधारित
दो व्याख्याएं ('राजस्थानी वात संग्रह) आन्तरिक विकल्प सहित दो व्याख्याएं (कहवाट विलास) आन्तरिक विकल्प सहित 4x 5 = 20 अंक

इकाई 3

राजस्थानी वात संग्रह पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

'कहवाट विलास' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न – आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' मध्यकालीन गद्य साहित्य : विकास एवं परम्परा, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा : 200 शब्द) 1x 10 = 10 अंक

भाग 'ब' मध्यकालीन गद्य विधाएं – परिचयात्मकम (वात, ख्यात, दवावैत, वचनिका, टब्बा, टीका, टिप्पण, वंशावली आदि) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. राजस्थानी वात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा ।
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
   (वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी
   प्रकाशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्भव और विकास : डॉ. शिवस्वरूप शर्मा

नोट : प्रथम प्रश्न पत्र में उल्लेखित अभिप्रस्तावित गंथ इस पत्र के लिए भी उपयोगी है।

बी.ए. पार्ट–III परीक्षा–2019

राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन राजस्थानी काव्य

समय – 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्यपुस्तकें

1. ढोला मारू रा दूहा	:	(स) डा. मनोहर शर्मा
2. गोरा बादिल चरित्र	:	(स) मुनि जिनविजय

विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
2. प्रमुख रस, राजस्थानी छन्द एवं काव्य दोष ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूतरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नही (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1X10 = 10 अंक

भाग ब : दो लघूतरात्मक प्रश्न – दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नही (2 प्रश्न :शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2X 5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- पाठ्यपुस्तकों पर आधरित
दो व्याख्याएं (ढोला मारू रा दूहा – प्रथम 100 दूहा) आंतरिक विकल्प सहित
दो व्यख्याएं (गोरा बादिल चरित्र-प्रथम 150 छन्द) आन्तरिक विकल्प सहित 4X 5 = 20 अंक

इकाई 3

ढोला मारू रा दूहा' से आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

'गोरा बादिल चरित्र' से आलोचनात्मक प्रश्न – आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा, : प्राचीन राजस्थानी रचनाएं एवं रचनाकार परिचयात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा : 200 शब्द) 1X 10 = 10 अंक

भाग 'ब' : रस, छंद एवं काव्य दोष

1. प्रमुख रस - सामान्य परिचय
2. प्रमुख राजस्थानी छंद : दूहा भेदों सहित, वेलियो, छोटा साणोर, झमाल,पद्वडिया,कवित्त।
3. राजस्थनी काव्य दोष : छबकाळ,अंधदोष, अपस्, अमगळ, बेहरो, जाति विरूद्व, निनंग : परिचय एवं उदाहरण 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. ढोला मारू रा दूहा : (सं.) डा. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक: राजस्थानी जनहित प्रन्यास, गंगाशहर, बीकानेर
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय
   प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रति ठान, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. अलंकार परिजात : डा. नरोतम स्वामी
2. रघुनाथ रूपक : महताब चंद खारेड़
   प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

नोट : इनके अतिरिक्त द्वितीय प्रश्न पत्र के साथ उल्लेखित अभिप्रस्तावित गंथ प्रथम प्रश्न पत्र के लिए भी उपयोगी है।

द्वितीय प्रश्न पत्र - राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं निबंध

समय : 3 घंटे **पूर्णांक 100**

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान ।
2. राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन - आदिकाल, पूर्वमध्यकाल, उतरमध्यकाल, आधुनिक काल - युगीन परिवेश, प्रवृत्तियां. रचनाएं एवं रचनाकार।
3. राजस्थानी लोकसाहित्य : लोक साहित्य - सामान्य परिचय : राजस्थानी लोक साहित्य की विधाएं - लोक कथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।
4. राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन ।

नोट :- इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

इकाई विभाजन

इकाई 1

राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एवं विकास - राजस्थानी लिपि (मुडिया लिपि) का सामान्य ज्ञान।

इकाई 2

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल-युगीन परिस्थितियां, प्रवृतिया,रचना एवं रचनाकार ।

इकाई 3

राजस्थानी साहित्य का उतरमध्यकाल एवं आधुनिक काल -युगीन परिस्थितियां. प्रवृतिया, रचना एवं रचनाकार, काव्य धाराएं एवं गद्य विधाएं ।

इकाई 4

राजस्थानी लोक साहित्य - सामान्य परिचय, लोक साहित्य की विधाएं-लोक कथा लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।

इकाई 5

राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेबन्ध लेखन (पांच वकल्पों में किसी एक विषय पर)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

प्रश्न सं. 1

भाग 'अ' अतिलघूतरात्मक प्रश्न कुल 10 प्रश्न - कोई आन्तरिक विकल्प नही
(शब्द सीमा : 15 शब्द अधिकतम) 2X 5 = 10 अंक

भाग 'ब' लघूतरात्मक प्रश्न- 2 प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नही
(शब्द सीमा : 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2X 5 = 10 अंक

विशेष (भाग 'अ' और 'ब' के प्रश्न इकाई 1 से 4 में पूछें जाऐगे)

प्रश्न सं. 2 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 1 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 3 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 2 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 4 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 3 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 5 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 4 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 6 : राजस्थानी भाषा में निबंध - पांच विकल्पों में से किसी विषय पर
(शब्द सीमा 300 शब्द) 15 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रथ

राजस्थानी भाषा : डा. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या साहित्य संस्थान.उदयपूर

पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैसीटरी (अनु) डा. नामवर सिंह

राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

राजस्थानी भाषा और साहित्य : डा.मोती लाल मेनारिया, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

राजस्थानी भाषा और परिचय : नरोतमदास स्वामी

राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खं.) (सं.) : सीताराम लालस (प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौ. जोधपुर)

डिंगल साहित्य : डा. गोवर्द्धन शर्मा

राजस्थानी व्याकरण : सीता राम लालस

राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन : डा. सोहनदान चारण

लोक साहित्य विज्ञान : डा. सत्येन्द्र

लोक साहित्य की भूमिका : डा.क भणदेव उपाध्याय

राजस्थान का लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता

आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत एवं प्रवृतिया : डा. किरण नाहटा

राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डा. देव कोठारी प्रकाशक : साहित्य संस्थान, उदयपुर

नोट : प्रथम प्रश्न पत्र में उल्लेखित अभिप्रस्तावित ग्रथ इस पत्र के लिए भी उपयोगी है ।